नव भारत टाईम्स (Nav Bharat Times)

दिनांक (Dated): 03.01.2025 | पृष्ठ सं0 (Page No). 11 | क्रम सं0(Serial No.) 08

CISF में 40% कम हुई खुदकुशी की घटनाएं

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

File

CISF जवानों की खुदकुशी मामलों में 40% से अधिक की कमी आई है। 2024 में CISF में विगत 5 वर्षों में सबसे कम 15 जवानों ने खुदकुशी की। CISF का दावा है कि यह कमी जवानों को खुश रखने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उठाए जा रहे कदमों से आई है।

CISF से मिले आंकड़ों पर गौर किया जाए तो विगत पांच वर्षों में बल में 2022 में खुदकुशी के सबसे अधिक 26 मामले सामने आए थे, जो बल की स्ट्रेंथ के हिसाब से 18.12 प्रति लाख रहा। 2024 में यह आंकड़ा घटकर 9.87 प्रति लाख रह गया है।

खुदकुशी मामलों की कराई गई थी स्टडी : CISF जवानों के खुदकुशी मामलों की एम्स से स्टडी कराई गई थी। उसमें जवानों ने बताया था कि वे लंबे समय तक परिवार से दूर रहते हुए अकेलापन महसूस करते हैं। न्यूक्लियर फैमिली की वजह से परिवार का सपोर्ट नहीं मिलता है। दुखी करने वाली खबरों का स्मार्टफोन पर जल्दी से ट्रांसमिशन होना, आर्थिक स्थिति खराब होना, अपनी भावनाओं को व्यक्त ना कर पाना, एचआईवी, कैंसर और स्किन जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने जैसे बड़े कारण भी सामने आए। कई बार बल में तैनाती और कार्य से संबंधित दबाव की वजह से भी ऐसे मामले सामने आए।

जवानों की समस्याओं पर किया जा रहा काम : CISF के डीआईजी दीपक वर्मा ने बताया कि वैसे एनएसजी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) में पिछले पांच वर्षों में 730 जवानों ने आत्महत्या की। CISF की ओर से अपने जवानों के खुदकुशी मामलों को रोकने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत सभी यूनिट के कमांडिंग अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं कि वे अपने जवानों को जानें और उनकी सुनें योजना के तहत काम करें। अपने जवानों से सीधे जुड़कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। तनाव कम करने के लिए 650 ट्रेनर हर यूनिट में योगाभ्यास कराते हैं। खेल प्रतियोगिताएं, छुट्टी और काम के दबाव का समाधान करने समेत पोस्टिंग से जुड़ी समस्याओं का हरसंभव निपटारा किया जा रहा है।

आत्महत्या के आंकड़े

साल	घटनाएं
2020	18
2021	21
2022	26
2023	25
2024	15